किशन सिंह अटोरिया
प्रमुख सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

1- प्रमुख अभियन्ता (विकास) एवं विभागाध्यक्ष
लोक निर्माण विभाग,लखनऊ।

2- प्रमुख अभियन्ता (ग्रामीण एवं सड़क)
लोक निर्माण विभाग,लखनऊ।

लोक निर्माण अनुभाग-12 लखनऊ : दिनांक 27 जुलाई, 2015

विषयः- उत्तर प्रदेश कोर रोड नेटवर्क डेवलपमेन्ट परियोजना के अन्तर्गत विश्व बैंक से वित्त पोषण हेतु अनुमोदन के सम्बन्ध में ।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक पत्र सं0- 315/1-02/यू0पी0सी0आर0एन0डी0पी0/सी0ई0डब्लूवी0/2014 दिनांक 12.02.2015 एवं पत्र सं0- 1150/1-02/ यू0पी0सी0आर0एन0डी0पी0/ सी0ई0डब्लूवी0/2013 दिनांक 07.07.2015 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- उक्त संदर्भित पत्रों द्वारा अवगत कराया गया है कि उत्तर प्रदेश कोर रोड नेटवर्क डेवलपमेंट परियोजना के सम्बन्ध में विश्व बैंक से वित्त पोषण का सैद्धान्तिक अनुमोदन मा0 मंत्रि-परिषद द्वारा दिनांक 10.06.2013 को प्रदान किया गया था। उत्तर प्रदेश कोर रोड नेटवर्क डेवलपमेंट परियोजना 5-5 वर्षों के तीन चरणों में प्रस्तावित थी। परियोजना की कुल अवधि 10 वर्ष थी। परियोजना के प्रथम एवं द्वितीय चरण में दो वर्षों का एवं द्वितीय तथा तृतीय चरण में तीन वर्षों का ओवरलैप था। उत्तर प्रदेश कोर रोड नेटवर्क डेवलपमेंट परियोजना की लागत तत्समय रू0 11807/- करोड़ आंकलित की गई थी। आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के परिपत्र दिनांक 01.12.2011 के अनुसार बाहय सहायतित परियोजनाओं में प्रदेश सरकार द्वारा परियोजना लागत का 30 प्रतिशत अंश वहन किया जाता है तथा शेष 70 प्रतिशत अंश बाहय सहायता से ऋण के रूप में प्राप्त होता है। इस प्रकार विश्व बैंक से उत्तर प्रदेश कोर रोड नेटवर्क डेवलपमेन्ट परियोजना हेतु रू0 8265.00 करोड़ की धनराशि ऋण के रूप में प्राप्त करने हेतु सैद्धान्तिक अनुमोदन माननीय मंत्री परिषद, उत्तर प्रदेश द्वारा दिया गया था। इस आंकलन में यू0एस0 डॉलर की रूपये में विनिमय दर रू0 55/- ली गई थी जो कि तत्समय विनिमय दर थी। तत्समय परियोजना में कुल मिलाकर मार्गो का उच्चीकरण 2388 कि0मी0 में तथा सतह सुधार 1261 कि0मी0 में किया जाना प्रस्तावित था। परियोजना के प्रथम चरण में उत्तर प्रदेश स्टेट रोड प्रोजेक्ट-2 के उन मार्गो को उच्चीकरण हेतु चिन्हित किया गया था जिन्हें उत्तर प्रदेश स्टेट रोड प्रोजेक्ट-2 की परियोजना की लागत में वृद्धि के कारण नहीं लिया जा सका था। इसके अतिरिक्त परियोजना के प्रथम चरण में दो वृहद सेतुओं का निर्माण, 172 कि0मी0 लम्बाई की नहर की पटरियों की उच्चीकरण एवं राज्य मार्गो, प्रमुख जिला मार्गो की 1261 कि0मी0 लम्बाई की सतह सुधार के लिये 7.5 से0मी0 मोटाई के डी0बी0एम0 एवं 4 से0मी0 मोटाई के बिटुमिनस कंक्रीट की सतह डालने का प्रस्ताव था। परियोजना के द्वितीय चरण में राज्य मार्गो की 492 कि0मी0 लम्बाई एवं प्रमुख जिला मार्गो की 200 कि0मी0 लम्बाई का उच्चीकरण प्रस्तावित था। परियोजना के तृतीय चरण में राज्य मार्गो की 786 कि0मी0 लम्बाई एवं प्रमुख जिला मार्गो की 268.00 कि0मी0 लम्बाई का उच्चीकरण प्रस्तावित था। उच्चीकरण के अन्तर्गत मार्गो के तटबंध का 12.00 मीटर की चौड़ाई तक

f.chandji G.D 2015 (R)

87